

सेवन, अर्चन, वंदन, सख्य, दास्य और आत्मनिवेदन ये भक्ति के नौ प्रकार हैं।

श्रवणामृत पुं. (तत्.) ऐसे शब्द या वचन जो सुनने पर अमृत जैसे- मधुर लगें, कर्णसुखद।

श्रवणावभास पुं. (तत्.) 1. दे. श्रवणपथ 2. सुनने के उपरांत होने वाली प्रतीति।

श्रवणी स्त्री. (तत्.) मुंडेरी, छत के किनारों पर स्थित कुछ ऊँची दीवाल।

श्रवणीय वि. (तत्.) सुनने योग्य, श्रव्य।

श्रवणेंद्रिय स्त्री. (तत्.) कान।

श्रवणोदर पुं. (तत्.) श्रवणविवर का ऊपरी भाग।

श्रवन पुं. (तद्.) दे. श्रवण।

श्रवनपूर पुं. (तद्.) दे. श्रवणपूर।

श्रवनवंत वि. (तद्.) कानों से युक्त, सुन सकने वाला।

श्रवनादिक पुं. (तद्.) दे. श्रवणादि।

श्रवणामृत पुं. (तद्.) दे. श्रवणामृत।

श्रवित वि. (तद्.) स्रवित सुत, बहा हुआ, टपका हुआ, रिसा हुआ टि. यह प्रयोग अशुद्ध है, 'सुत' शुद्धशब्द है।

श्रविष्ठा स्त्री. (तत्.) खगो. 1. दे. श्रवण 2. श्रवण के तुरंत बाद का नक्षत्र जो 'धनिष्ठा' के नाम से जाना जाता है।

श्रव्य वि. (तत्.) जो सुनने योग्य हो, उत्तम, जो सुना जा सके।

श्रव्यकाव्य पुं. (तत्.) काव्य के दो प्रमुख भेदों (दृश्य और श्रव्य) में से एक, काव्य का वह प्रकार जिसे सुना या सुनाया जा सके, कविता, कथा, गद्य आदि इसकी विधाएँ हैं।

श्रव्यता स्त्री. (तत्.) 1. श्रव्य होने का भाव 2. आयु. सुन पाने की क्षमता उदा. मेरे दादाजी श्रव्यता की परीक्षा के लिए डॉक्टर के पास गए हैं।

श्रव्यतामापी वि./पुं. (तत्.) आयु. वह यंत्र जो श्रव्यता की क्षमता को मापता है तथा तत्संबंधी दोष का निदान करता है, श्रव्यता का मात्रक 'डेसिबल' होता है, श्रवणमापी। audiometer

श्रव्यतामिति स्त्री. (तत्.) आयु. वह प्रक्रिया जिसके द्वारा श्रव्यता मापी जाती है।

श्रव्यतापरास पुं. (तत्.) आयु. श्रव्यता की सीमा, जिस मात्रा तक श्रव्यता संभव है।

श्रव्यतासीमा स्त्री. (तत्.) दे. श्रव्यता-परास।

श्रव्यपरास पुं. (तत्.) दे. श्रव्यता-परास।

श्रव्यवाचाघात पुं. (तत्.) मनो. एक मनोवैज्ञानिक विकृति/सुनने के बाद भी अस्पष्टता के कारण समझ न पाने या देर से समझने का दोष। aural aphasia

श्रान्त स्त्री. (तत्.) थका हुआ, श्रमित, क्लान्त।

श्रान्ति स्त्री. (तत्.) थकावट, थकने का भाव।

श्राद्ध वि. (तत्.) 1. श्राद्ध से युक्त 2. श्राद्ध से संबंधित पुं. (तत्.) दिवंगत आत्माओं की शान्ति या तृप्ति हेतु किया जाने वाला शास्त्रोक्त कर्म जैसे पिंडदान, अन्नदान इत्यादि।

श्राद्धकर्ता वि. (तत्.) श्राद्ध कर्म करने वाला दे. श्राद्ध कर्म।

श्राद्धकर्म पुं. (तत्.) श्राद्ध से संबंधित कृत्य दे. श्राद्ध।

श्राद्धदेव पुं. (तत्.) 1. श्राद्ध का अधिष्ठाता देवता 2. यमराज 3. वैश्वदेव।

श्राद्ध पक्ष पुं. (तत्.) पितरों का श्राद्ध कर्म करने हेतु शास्त्रों में वर्णित 15 दिनों का काल, जो आश्विन मास का कृष्ण पक्ष होता है, कनागत (कन्या+आगत सूर्य का कन्या राशि में प्रवेश का काल), पितृपक्ष।

श्राद्धभोक्ता वि. (तत्.) 1. जिनके लिए श्राद्ध कर्म किया जा रहा हो, पितर आदि 2. श्राद्ध में प्रदत्त वस्तुओं का उपभोग करने वाला (ब्राह्मण)।

श्राद्धीय वि. (तत्.) श्राद्ध से संबंधित।

श्राध पुं. (तद्.) 'श्राद्ध' का ग्रामीण उच्चारण।

श्राप पुं. (तद्.) शाप वि. भूल से या परंपरा से 'श्राप' शब्द प्रचलित हो गया है, शुद्धशब्द 'शाप' है।

श्राय पुं. (तद्.श्रय) आश्रयस्थल टि. संभवतः 'सराय' शब्द इसी से बना है।